View this email in your browser

शिक्षा संस्कार ॐ सहभागिता समरसता

बांसवाड़ा परियोजना

कार्यालय –भारत माता मन्दिर, राती तलाई, बांसवाड़ा (राज.) 327001
फेक्स : 02962-240018, फोन नं. 02962-240018, मो. नं. 9414101912, 9414102261
Email : bharatmatamandirnyas@gmail.com ♦ Website : www.banswarapariyojana.com

माह -जुलाई 2023 विक्रम सम्वत 2080

बांसवाड़ा परियोजना मासिक वृत्तपत्र

नविन चयनित आचार्य अभ्यास वर्ग
एक साधना, एक समर्पण, एक उत्तरदायित्व

बांसवाड़ा परियोजना में नए विद्यालय सत्र में नवीन चयनित आचार्यों के दिशा बोध हेतु अभ्यास वर्ग लगा। । यह अभ्यास वर्ग उस दिव्य परंपरा की नींव है, जहाँ शिष्यत्व से आचार्यत्व की ओर यात्रा प्रारंभ होती है। यह यात्रा आत्मबोध, अनुशासन और समर्पण से भरी होती है।

आचार्य अभ्यास वर्ग में वरिष्ठ अधिकारीयों ने नवचयनित आचार्यों का मार्ग दर्शन किया। उन्होंने कहा विद्यालय महत्व केवल ज्ञान प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक पक्ष को सुसंस्कृत और सुसंयमित करने का माध्यम है। यहाँ व्यक्ति शास्त्रों का अध्ययन करता है, लेकिन केवल शब्दों को रटता नहीं — वह उन्हें जीता है, उनके मर्म को समझता है, और जीवन में उतारने का प्रयास करता है। अभ्यास वर्ग व्यक्ति के अंतर्मन को संस्कारित करता है, विचारों को सुस्पष्ट करता है, और व्यवहार को सात्त्विक बनाता है।

इस अभ्यास वर्ग का उद्देश्य नव चयनित साधकों को एक संवेदनशील, सजग और सशक्त मार्गदर्शक के रूप में तैयार करना है। यह वर्ग उन्हें वैदिक परंपरा, भारतीय संस्कृति और आधुनिक समाज की आवश्यकताओं के मध्य संतुलन स्थापित करने की क्षमता देता है। यह अभ्यास न केवल उनके व्यक्तित्व का निर्माण करता है, बल्कि उन्हें समाज में प्रेरणा स्तंभ के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी अग्रसर करता है।

दिनचर्या का प्रत्येक क्षण अनुशासन और साधना से परिपूर्ण होता है। प्रातः से रात्रि तक का समयबद्ध अभ्यास न केवल शरीर को अनुशासित करता है, बल्कि मन को स्थिर और बुद्धि को केंद्रित करता है। स्मरण, मनन और चिंतन की प्रक्रिया शास्त्रों को आत्मसात करने में सहायता करती है। गुरुजनों का सान्निध्य इस मार्ग को और भी गरिमामयी बना देता है, क्योंकि वे केवल शास्त्रों का पाठ नहीं कराते, बल्कि जीवन की वास्तविकता को समझने की दृष्टि भी प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा नव चयनित साधकों के लिए यह समय अत्यंत मूल्यवान है। यह वह चरण है, जहाँ

जीवन से एक आदर्श प्रस्तुत करता है। यह अभ्यास वर्ग आपको उसी आदर्श के मार्ग पर प्रशस्त करता है।

विद्यालय प्रवेशोत्सव

बांसवाड़ा परियोजना के विद्यालयों में नए स्तर के प्रारम्भ में विद्यालय प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह आयोजन नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह जगाना और उन्हें विद्यालय से जोड़ना है।
इस अवसर पर विद्यालयों को रंग-बिरंगे फूलों, गुब्बारों और पोस्टरों से सजाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों का स्वागत तिलक से किया गया। अभिभावकों के साथ आए बच्चों के चेहरों पर नए जीवन की शुरुआत का उत्साह साफ नजर आ रहा था। शिक्षकों ने स्वागत गीत और प्रेरणादायक भाषणों के माध्यम से शिक्षा की महत्ता को रेखांकित किया।
यह प्रवेशोत्सव न केवल शैक्षणिक यात्रा का प्रारंभ है, बल्कि यह बच्चों के उज्जवल भविष्य की नींव भी रखता है। बांसवाड़ा परियोजना का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को स्कूल से जोड़ना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।
कार्यक्रम के दौरान नृत्य, कविता पाठ, चित्रकला प्रतियोगिता आने वाले हफ्ते में होंगी । साथ ही, समग्र शिक्षा अभियान के तहत विद्यालय में नामांकित नवप्रवेशी छात्रों को पाठ्यपुस्तकेंऔर स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई।
विद्यालय प्रवेश उत्सव ने न केवल बच्चों बल्कि अभिभावकों और शिक्षकों के बीच एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया। यह उत्सव शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता लाने और बाल शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हो रहा है।